राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–148/2026

नालंदा विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक विकास को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई

पटना 10 अगस्त, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बिहार लोक भवन में नालंदा विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक विकास को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नालंदा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो० अरविंद पनगढ़िया, बिहार के मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) श्री रुद्रेंद्र टंडन, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सचिन चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा बिहार लोक भवन के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में नालंदा विश्वविद्यालय की सड़क एवं रेल संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने, नालंदा विश्वविद्यालय–राजगीर ज्ञान एवं नवाचार नगर के समग्र विकास तथा बिहार सरकार और राज्य के उच्च शिक्षा तंत्र के साथ विश्वविद्यालय के सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि बिहार में प्रतिभा और बौद्धिक क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि बिहार की प्रतिभा और बौद्धिक सामर्थ्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से सामने लाया जाए। उन्होंने नालंदा की समृद्ध बौद्धिक और सभ्यतागत विरासत को लेखन तथा विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने नालंदा विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़ने और उसकी सुविधाओं एवं संसाधनों का लाभ लेने के लिए लोगों को सरल और सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, विचारधारा, इतिहास तथा उसकी समृद्ध सभ्यतागत विरासत के बारे में लोगों को अधिक जानकारी देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

उन्होंने कहा कि नालंदा के इतिहास, ज्ञान परंपरा और विरासत से संबंधित लेख एवं ज्ञानपरक सामग्री तैयार कर विभिन्न संचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित की जानी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग नालंदा की गौरवशाली परंपरा से परिचित हो सकें।

आगे पृष्ठ 2 पर.....

राज्यपाल ने सुझाव दिया कि अधिक से अधिक सरकारी अधिकारी नालंदा विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण करें और वहाँ हो रहे कार्यों से परिचित हों। इससे विश्वविद्यालय और सरकार के बीच रचनात्मक सहयोग के नए अवसर विकसित किए जा सकेंगे।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और शिक्षकों को नालंदा विश्वविद्यालय का भ्रमण करने तथा वहाँ आयोजित कार्यशालाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

बैठक में राजगीर और बोधगया के पर्यटन स्थलों के विकास और सुधार से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। बिहार के मुख्य सचिव ने बताया कि दोनों स्थानों के विकास से संबंधित परियोजनाएँ भारत सरकार को भेजी जा चुकी हैं।

बैठक में नालंदा की समृद्ध बौद्धिक और सभ्यतागत विरासत से जुड़ी पांडुलिपियों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सचिन चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर ज्ञान, नवाचार और उत्कृष्ट शिक्षा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों और पहलों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

बैठक के समापन के पूर्व में कई अन्य महत्वपूर्ण सुझावों और विचारों पर भी चर्चा हुई।

.....